इतिहास (वैकल्पिक विषय)

(मॉडल टेस्ट- द्वितीय प्रश्नपत्र)

DTVF/17–OPS-H10

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	*अधिकतम अंक: 250* *Maximum Marks: 250*

नाम (Name): SAKSHI

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.): ______

ई-मेल पता (E-mail address): ______

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): ______

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]: 0 1 4 7 9 0 1

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): ______

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

MARKS	20 /250
Introduction	D
Context	D
Content	D
Structure	D
Current Link / Examples	D
Conclusion	D
Language	B

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

प्रश्न के विषय में जानकारी के अभाव में उत्तर देने का प्रयास न करें।

- उत्तर में सभी पक्षों की संतुलित चर्चा करें।
- उत्तर में क्रमबद्धता का पूर्णतः अभाव है।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - A / SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये। 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) गाँधीवादी समाजवाद और मार्क्सवादी समाजवाद का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिये।

Give a comparative analysis of Gandhian socialism and Marxist socialism.

0.75

समाजवाद से तात्पर्य है, समाज के वंचित (आर्थिक शोषित) वर्ग को समान स्तर पर लाना। वस्तुतः ऐसी व्यवस्था जहां मनुष्य के द्वारा मनुष्य का शोषण न हो और सभी को समानता का स्तर प्राप्त हो।

(गाँधी एवं मार्क्स का परिचय दें)

मार्क्सवाद द्वारा समाजवाद की संकल्पना प्रस्तुत की गयी, इसी समाजवाद का गांधी जी द्वारा भारतीयकरण कर दिया गया। वस्तुतः दोनों में कुछ समानता व असमानता के लक्षण प्रकट होते हैं →

(शब्दों के चयन पर ध्यान दें) (संकल्पना ? सुधार करें)

समानता के बिन्दु

(पुनः पढ़ें)

गांधीवादी	मार्क्सवादी
गांधी जी ने भी ट्रस्टीशिप का सिद्धांत प्रस्तुत किया जिसके तहत अतिरेक सम्पत्ति	- अमीरों की सम्पत्ति को छीनकर श्रमिक ~~[illegible]~~ वर्ग में बांट देनी चाहिए

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान मे कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को वंचितों में बांट देना चाहिए	
वस्तुत: गांधी जी ना भी माना था समाजवादी व्यवस्था लागू होने के बाद राज्य की कोई आवश्यकता नही होगी	कार्लमार्क्स द्वारा कहा गया कि समतामूलक व्यवस्था प्राप्त होने के बाद राज्य की कोई आवश्यकता नही होगी

असमानता के बिंदु

गांधीवादी	मार्क्सवादी
गांधी हृदय परिवर्तन के पक्षधर हैं, अर्थात: व्यक्ति अंत: रूप से परिवर्तित हो	- गांधी के विपरीत मार्क्स शक्ति के बल पर रूपांतरण करना चाहता था।
गांधीवाद में दलित, श्रमिक, किसान अर्थात हर वंचित वर्गों सम्मिलित था।	मार्क्सवाद मात्र श्रमिकों के हित की बात करता था
मार्क्सवाद गांधीवाद में समतामूलक समाज की संकल्पना प्रस्तुत की गयी।	कालमार्क्स द्वारा वंचित वर्ग की तानाशाही की संकल्पना की गयी

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	0	0.5	0	0	0	✓
Grade	B		D	D	D	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "क्रिप्स मिशन आरम्भ से ही अनेक अस्पष्टताओं से ग्रस्त रहा और अंत में उन्हीं के कारण असफल रहा।" स्पष्टीकरण कीजिये।

"The Cripps mission was affected with numerous ambiguities from the beginning and finally failed because of them." Elucidate.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Ans. द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों के सहयोग प्राप्त करने के उद्देश्य से क्रिप्स मिशन लाया गया, वस्तुतः कहा जाता है क्रिप्स मिशन के असफलता के बीज उसके प्रावधानों में निहित थे। -पुनः पढ़ें

प्रावधान (असफलता का कारण) →

- युद्धोपरांत भारत को डोमिनियन स्टेट का दर्जा दिया जाएगा। - अधूरा है

- भारत को अपना संविधान बनाने का अधिकार होगा, जो प्रांत राष्ट्रीय संविधान से सहमत नहीं है वो अपना स्वयं का संविधान बना सकते हैं।

-पुनः पढ़ें

- वस्तुतः विदेश, प्रतिरक्षा, संचार सभी अधिकार अभी भी ब्रिटिश सरकार के पास रखे गए और प्रांतों को मजबूती प्रदान कर केंद्र के रूप में सत्ता को कमजोर किया गया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

असफलता का कारण।

- अधिपत्य लागू किए जाने के कारण इसे पोस्ट डेटेड चेक कहा गया।
- कांग्रेस को कमजोर करने व रियासतों को स्पष्ट अधिकार न देने के कारण कांग्रेस ने इसे अस्वीकार कर दिया।
- हिन्दू सभा को पाकिस्तान निर्माण की संभावना प्रतीत हो रही थी अतः इसका विरोध किया गया।
- पंजाब यूनियनिस्ट पार्टी को यह संभावना लग रही थी कि भविष्य में पाकिस्तान निर्माण हो सकता है और पंजाब को विभाजित पाकिस्तान के भरोसे छोड़ा जा सकता है, अतः उसने विरोध किया
- पाकिस्तान निर्माण का स्पष्ट प्रावधान नहीं था व मुस्लिम लीग को संविधान सभा में स्पष्ट बहुमत नहीं दिया गया अतः लीग ने भी इसका बहिष्कार किया।

क्रिप्स मिशन अपने अस्पष्टता प्रावधानों के कारण निष्कर्षतः असफल साबित हुआ।

0.5

प्रश्न की मांग को समझकर उत्तर दें

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0.5	0	0	0	✓
Grade	D		D	D	D	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "सुभाष चन्द्र बोस ने जन-चेतना में आज़ादी की महत्ता को बहुत ही प्रभावशाली तरीके से संप्रेषित किया।" स्पष्टीकरण कीजिये।

"Subhash Chandra Bose conveyed the importance of freedom in public consciousness in a very effective manner." Elucidate.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Ans सुभाष चन्द्र बोस को 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा' जैसे वीर रस भरे क्रांतिकारी नारे के साथ याद किया जाता है।

वस्तुतः इसी आधार पर बोस द्वारा स्वतन्त्रता आन्दोलन में दिए योगदान को समझा जा सकता है ⇒

थोड़ा और सुधार करें तथा बोस का संक्षिप्त परिचय

- सुभाष चन्द्र बोस का स्पष्ट मानना था स्वतन्त्रता का अधिकार मांगने पर नहीं मिलता अपितु उसे पौरुष के बल पर प्राप्त करना होता है। इसी आधार पर उन्होंने जन समुदाय को स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु उद्वेलित किया।

- स्वतन्त्रता हेतु बोस के विचारों
- विदेशी सहायता के पक्षधर थे। विदेश में कैद सैनिकों की मदद से 'आजाद हिन्द फौज' का गठन किया और इस फौज की महत्ता को इस तथ्य

सुभाष चन्द्र बोस की चर्चा करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के तहत समझा जा सकता है कि जब आजाद हिन्द को बन्दी बनाया गया तो देश की गली गली में एक ही नारा गूंज रहा था ⇒ 'लाल किला तोड़ दो आजाद हिन्द फौज छोड़ दो।'

- समाजवादी विचारधारा के पक्षधर बोस ने समाज के वंचित श्रमिक व कृषक वर्ग को अपना आधार बनाया, वस्तुतः उनका स्पष्ट मानना था 'यदि जनता में स्वराज प्राप्ति की चाहत आ जाए तो उसे मांगते ही स्वराज मिल जाता है।

0.75

नकारात्मक पक्ष

- बोस के लापता होने से नेतृत्व शून्यता उत्पन्न हुयी
- ब्रिटेन की बदलता व्यवहार व फौज गिरफ्तारी ने निराशा उत्पन्न की
- कमियों के बावजूद बोस ने सिद्ध कर दिखाया जिस प्रकार बास्तील के जेल फ्रांसीसी क्रांति को और साइबेरिया की खानें रूसी क्रांति को न रोक सकी उसी प्रकार भारतीय स्वतंत्रता हेतु जली चिंगारी को कोई बुझा नहीं सकता।

—प्रश्न की मांग से पृथक् भिन्न क्यों?

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	0	0.5	0	0	0	✓
Grade	B		D	D	D	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(d) "शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और विकास की नीति, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को भारतीय विदेश नीति की महत्त्वपूर्ण देन है।" टिप्पणी करें।

"Peaceful coexistance and development policy is an important contribution of Indian foreign policy to the international politics." Comment.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत ने सदैव ही वसुधैव कुटुम्बकम् व सर्वे भवन्तु सुखिनः सिद्धांत को आधार बनाते हुए विदेशी संबंधों का निर्माण किया है।

वस्तुतः भारतीय विदेश नीति की शुरुआत स्वतन्त्रता संग्राम के समय से ही देखी जा सकती है और इसने न सिर्फ अपने मूल्यों को सैद्धान्तिक रूप दिया अपितु सम्पूर्ण विश्व हेतु भी प्रेरणा का स्रोत बनी।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के द्वारा गांधी जी द्वारा प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन की मदद करना यह सिद्ध करता है कि वे कभी भी अनुचित परिस्थिति का लाभ उठाने के पक्ष में नहीं थे।

अपनी स्वतंत्रता के साथ ही चीन, अफ्रीका व दक्षिण पूर्वी एशियाई गुलाम देशों में स्वतंत्रता की मांग की और वैश्विक शांति हेतु गुट निरपेक्ष आन्दोलन की

(Examiner's remarks in margin: थोड़ा और सुधार; संक्षेप में; शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व से भारत का कुछ योगदान जहाँ ...)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

नीत रखी।

- आजादी उपरान्त संविधान निर्माण के साथ ही अनुच्छेद 51 में स्पष्ट लिखा गया। भारतीय राजनेताओं का प्रयास सदैव शांतिपूरक वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थापना का है और प्रत्येक मिलकर विनास करने की अपेक्षा की।

- सम्पूर्ण चर्चा प्रश्न की मांग से असंबद्ध है, दर्शाता है।

- वस्तुत 1954 में पंचशील समझौते के प्रावधानों के तहत शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व व विकास की राजनीति पर बल दिया

- भारतीय विदेश नीति को गुजराल सिद्धान्त (स्वतंत्रता मदद व समावेशी विकास) द्वारा पुनः सरकार द्वारा पुष्टि की गयी

- उत्तर में सुधार करें

- वर्तमान में भी संयुक्त राष्ट्र सेना सहायता, निःशस्त्रीकरण, आतंकवाद पर लगाम आदि के माध्यम से भारतीय विदेश नीति सम्पूर्ण विश्व के समक्ष संकेत प्रतिमान स्थापित कर रही है।

0.75

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	0	0.5	0	0	0	✓
Grade	B		D	D	D	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) भारत में काश्तकारी सुधारों की सीमाओं को रेखांकित कीजिये।
Outline the limitations of Tenancy Reforms in India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

0.25

भारत में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान से ही कृषक दशा सुधार व भू-व्यवस्था सुधार पर दबाव बनाया जा रहा था। आजादी उपरान्त इसी को काश्तकारी सुधार अधिनियम के माध्यम से संस्थागत स्वरूप प्रदान किया गया।

वस्तुतः दूसरे की भूमि पर कार्य कर रहे कृषक को ऋण, बीमा सुविधा, भू जोतने के कार्यकाल की सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य में अनेक अधिकार प्रदान करने हेतु प्रस्ताव पारित हुआ। तथापि निम्न कारणों से आशातीत सफलता नहीं प्राप्त हो सकी।

- राजनैतिक इच्छाशक्ति के अभाव के कारण नियमों में काफी अस्पष्टता देखी गयी।
- प्रशासनिक भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद के कारण पहले तो सुधार प्रावधान लागू नहीं किए गए और

(Evaluator's marginal remarks: अच्छा प्रयास है; पुनः पढ़ें; कमियों में अंतर को समझें; सीमाएँ)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इससे धन बल आधार पर जमींदारों को लाभ पहुंचाया गया।

- जमींदार व बड़े भू मालिकों ने कानून में व्याप्त लूप होल का फायदा उठाया और अपनी जमीनों को नौकर, माली, बच्चों आदि के नाम कर बहुत छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट दिया गया।

- छोटे ग्रामीण कृषक प्रायः अशिक्षित व अजागरूक थे जिस कारण उन्हें सरकारी नीतियों के बारे में पता न चल सका और वे लाभ से वंचित रह गए।

काश्तकारी सुधारों की असफलता के कारण ही आज 21वीं सदी में भी कृषि दयनीय स्थिति में बनी हुई है और कृषक आत्महत्या को मजबूर हैं। इसी को देखते हुए वर्तमान सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी काश्तकारी सुधार अधिनियम 2016 लाया गया है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	0	0	0	0	0	✓
Grade	B			D	D	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

4. (a) "1945 में औपनिवेशिक शासन की ओर से समझौते का प्रयास लेबर सरकार का कोई उपहार नहीं था बल्कि किसी संभावित संघर्ष को टालने का प्रयास था।" स्पष्टीकरण कीजिये। 15

"The attempt of the colonial government to compromise in 1945 was not a gift from the Labor Government but was an attempt to avoid possible conflict." Elucidate. 15

Ans ➢ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अंग्रेजों द्वारा शोषण, कृषि का वाणिज्यीकरण, धन की निकासी जैसे तत्व स्वाभाविक प्रतीत होते हैं क्योंकि ये तत्व उनका चरित्र प्रदर्शित कर रहे थे, परन्तु ब्रिटिश सत्ता द्वारा 1945 में समझौते का प्रयास कौतूहल उत्पन्न करती है।

वस्तुतः इसे तत्कालीन राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखना होगा →

- इस समय भारतीय राष्ट्रवाद अपने क्वथनांक पर था। जिसका भविष्य स्पष्टतः प्रतीत हो रहा था। अतः अब ब्रिटिश सत्ता में भय उत्पन्न हो चुका था।

- इसी समय ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सत्ता स्थापित होती है, जिसका नेतृत्व कर रहा चर्चिल हर कीमत पर

- भूमिका अस्पष्ट
माँग से भिन्न
→ शब्दों के चयन पर ध्यान
- वेवेल योजना की संक्षिप्त चर्चा करें
- इसे लाने के पीछे उद्देश्य को स्पष्ट करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अपना अस्तित्व व प्रमुख स्थापित करना चाहता था।
अत: चर्चिल द्वारा स्पष्ट उद्घोषणा की गयी "मैं ब्रिटिश सत्ता में नहीं आया हूं कि इसे कमजोर कर दूं, भारत जैसे उपनिवेश से सम्पूर्ण ब्रिटिश व्यवस्था को ही खतरा प्रकट हो रहा है अत: भलाई इसी में है कि इससे छुटकारा पा लिया जाए।"

- ब्रिटेन पर इस समय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर से भी दबाव पड़ रहा था। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हो चुकी थी, जिससे स्वतंत्रता, समानता के विचार को सैद्धान्तिक पुष्टि प्राप्त हुयी और ब्रिटेन पर दबाव पड़ने हुआ।

- अटलांटिक कांउसिल द्वारा भी विऔपनिवेशीकरण को प्रेरित किया गया और अब ब्रिटेन के लिए औपनिवेशिक स्वरूप बनाए रखना मात्र भारत से नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व से दुश्मनी मोल लेने

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

समान था, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट भी भारतीय स्वतन्त्रता के बड़े समर्थक थे।

अतः प्रतिकूल होती अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय व औपनिवेशिक परिस्थिति ने लेबर पार्टी को विवश कर दिया और चर्चिल ने घोषणा की → मई 1948 तक ब्रिटिश सत्ता भारत से पूर्णतः वापसी ले लेगी।

वस्तुतः यह घोषणा कोई उपहार नहीं विवशता का परिणाम थी।

प्रश्न को समझकर उत्तर लिखने का प्रयास करें।

0

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0	0	0	0	X
Grade	D			D	D	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "सरदार पटेल की कुशाग्र बुद्धि ने यह अनुभव कर लिया था कि भारत और देशी रजवाड़ों को यदि एक प्रशासन के अंतर्गत नहीं लाया गया तो लंबे संघर्ष से अर्जित स्वतंत्रता रजवाड़ों के दरवाज़ों से निकलकर विलुप्त हो जाएगी।" स्पष्टीकरण कीजिये। 20

"Sardar Patel's sharp mind had experienced that if India and the princely states were not brought under one administration then freedom earned from a long struggle will run out from the doors of these states and become extinct." Elucidate. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

3.25

आजादी के उपरान्त भारत को सैद्धान्तिक आजादी तो ~~प्राप्त~~ हो चुकी थी। परन्तु व्यावहारिक स्तर पर ~~पूर्ण~~ स्वतन्त्र नहीं हो सकी थी क्योंकि अभी भी एक भारत के अन्दर सैकड़ों रियासतें ऐसी थी जो अपना अलग स्वरूप रखती थीं।

भूमिका में स्पष्टता लाएं।
वाक्य

पटेल ने कुशाग्रता - दूरदर्शिता के आधार पर यह अनुमान लगा लिया कि भारतीय रजवाड़ों का स्वतंत्र अस्तित्व सम्पूर्ण देश के लिए खतरा है क्योंकि →

- भारतीय भौगोलिक क्षेत्र के आधे से अधिक भाग पर रजवाड़े कायम थे और वे स्वतंत्रीय शासन व्यवस्था चला रहे थे। जबकि भारतीय विकास के लिए आवश्यक है कि अखण्ड, सम्प्रभु, एकीकृत भारत का निर्माण किया जाए।

Good

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

धर्म के आधार पर हुए युद्ध व पाकिस्तान निर्माण से भारत को अधिक स्पष्ट खतरा था। अतः पाकिस्तान का मुकाबला अखण्डित भारत ही कर सकता था।

— सम्पूर्ण भारत करें।

- अलग संविधान, विभाजन की स्थिति, अलग सेना, अलग शासन व नीति कालान्तर में स्वतंत्र देश के लिए खतरा बन सकती थी, जिससे भारत में पुनः गृह युद्ध होने की संभावना व्याप्त थी।

— अनावश्यक प्रयास है

- इस तथ्य को पहचानते हुए पटेल ने मेनन के सहयोग से <u>प्रलोभन व भय</u> की नीति अपनाई गयी।

रियासतों के प्रति नीति

प्रलोभन
- रियासतों की आन्तरिक स्वायत्तता बनी रहेगी।
- प्रीवी पर्स जैसा उपहार दिया गया
- मात्र विदेश, रक्षा व संचार तीन अधिकार केन्द्र को सौंपने होंगे

भय
- यदि रियासत ऐसा नहीं करती है तो भविष्य में कम सुविधाजनक शर्तों पर विवशतः विलय करना पड़ेगा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसी क्रम में 562 रियासतों का किया कुछ [illegible] के विलय कर लिया गया। [illegible] व [illegible] भाषा का [illegible] हैदराबाद व जूनागढ़ का विलय किया गया।

~~कश्मीर~~ समस्या का समाधान वर्तमान में भी कोई नहीं हो सका है और यह देश की अखंडता को गंभीर खतरा प्रस्तुत करता है। इसी आधार से अनुमान लगाया जा सकता है कि यदि 564 रियासतों को स्वतंत्र छोड़ दिया गया होता तो भारत का स्वरूप कैसा होता।

पटेल जी के दूरदर्शिता व कूटनीतिज्ञता के लिए पूरा देश उनका आभारी व कृतज्ञ है।

–विलय की प्रक्रिया को विस्तार से बताएं।

–पूरी प्रश्न के प्रश्न को [illegible]

–उत्तर अधूरा और अस्पष्ट है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	2	0.5	0.5	0.25	0	✓
Grade	D	C	D	B	B	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि क्षेत्रवाद किसी भी समय भारतीय राजनीति और प्रशासन में महत्त्वपूर्ण पहलू नहीं बन पाया? 15

Do you agree with this view that regionalism did not become an important aspect in Indian politics and administration at any given time? 15

क्षेत्रवाद से तात्पर्य है किसी भौगोलिक भाग विशेष को सम्पूर्ण राष्ट्र की अपेक्षा ज्यादा श्रेष्ठकर मानना। इसका आधार धर्म, जाति, नस्ल, आर्थिक सम्पन्नता कुछ भी हो सकता है।

भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान से ही क्षेत्रवाद के तत्व सभी रहे। 1857 विद्रोह में क्षेत्रवादिता, [illegible] द्वारा [illegible] की मांग, कैबिनेट मिशन, [illegible] आदि के द्वारा क्षेत्रवाद को बढ़ावा दिया गया परन्तु क्षेत्रवाद कभी भी महत्वपूर्ण पहलू नहीं बन सका?

- भारतीय गौरवमयी संस्कृति ने सदैव भारत को एक होने को प्रेरित किया गया।
- आजादी के समय भी भारतीय दूरदर्शी नेताओं ने

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

क्षेत्रीय मांग को ठुकराया।

पुनः आजादी उपरान्त संविधान निर्माण के द्वारा अखण्ड भारत का स्वरूप रखा गया और विभाजनकारियों का अविनाशी संघ का संविधान रखा गया।

प्रश्न की मांग के अनुरूप उत्तर लिखने का प्रयास
पूरा उत्तर लिखने का प्रयास करें।

0

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0	0	0	0	✓
Grade	D			D	D	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - B / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये। 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) "फासीवाद का विकास आर्थिक अस्थिरता के समय भय और क्रान्ति के वातावरण में कुंठित राष्ट्रवादी मनोदशा में हुआ।" टिप्पणी करें।

"Fascism developed during economic instability in the atmosphere of fear and revolution with a frustrated nationalism feeling." Comment.

0

Ans फ्रांसीसी क्रांति विश्व इतिहास के लिए महान ज्ञव निभाजक हाला सिद्ध होती है इसके पीछे कोई एक कारण नहीं अपितु कारणों का सम्मुच्चय व्याप्त था।

आर्थि भय व क्रांति का वातावरण → वस्तुतः फ्रांस में लुई 14वें द्वारा कहा जाता था

पुनः पढ़ें

मैं ही कानून हूं और इसके आगे लुई 15वां व 16वां जैसे निरंकुश, स्वेच्छाचारी शासकों ने भय का वातावरण कायम कर दिया था, जिससे रोष में जनता व्याकुल थी और यह ऐतिहासिक तथ्य है जब शोषण अपनी सीमा पार कर जाता है तो इसका प्रतिरोध क्रांतियों के माध्यम से सामने आता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कुंठित राष्ट्र मनोदशा → अधिकार व दायित्व के अनुचित बंटवारे ने समाज को कुंठित कर दिया था।

एक ओर सामन्त वर्ग लुई 14वां के समय प्राप्त अधिकारों को पुनः प्राप्त करना चाहता था वहीं दूसरी ओर मध्यम व निम्न वर्ग आर्थिक व्यवस्था में बराबर का सहभागी होने के बावजूद विशेषाधिकारों के अभाव के कारण कुंठित था।

मार्जिन का ध्यान रखें।

आर्थिक अस्थिरता → राजा की निरंकुशता, भ्रष्टाचार, अमेरिकी युद्ध में फ्रांस की संलिप्तता व सप्तवर्षीय युद्ध के कारण फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था जवाब दे चुकी थी और ऐसे में रानी अंतोनेत्ता द्वारा - "रोटी नहीं है तो केक क्यों नहीं खा लेते" जैसे हास्यास्पद वक्तव्य ने सम्पूर्ण आंदोलन को क्रांति हेतु उद्वेलित कर दिया।

- प्रश्न कारणों और ~~सूत्र~~ के विषय में है

150 वर्ष बाद बुलायी गयी स्टेट जनरल की बैठक और बास्तील के किले के पतन के साथ ही फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत हुयी।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0	0	0	0	✓
Grade	D			D	D	D	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) स्वेज़ नहर विवाद तथा मिस्र में राष्ट्रवाद के विकास में उसकी भूमिका का संक्षिप्त विश्लेषण करें।

Give a brief analysis of the Suez Canal controversy and its role in the development of nationalism in Egypt.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वस्तुतः स्वेज नहर विवाद व मिस्र राष्ट्रवाद दोनों परस्पर पूरक (बाधा) कारण के रूप में कार्य कर रहे थे।

मिस्र में सईद पाशा द्वारा स्वेज नहर का निर्माण किया गया और आगे इस्माइल पाशा द्वारा इसे और विस्तृत करने के परिप्रेक्ष्य में ब्रिटेन व फ्रांस से ऋण प्राप्त किया गया। ?

वस्तुतः ऋण अदायगी के क्रम में ही स्वेज नहर के शेयर ब्रिटेन व फ्रांसीसी शासकों के पास चले गए। ?

ब्रिटेन व फ्रांस द्वारा साम्राज्यवादी व औपनिवेशिक हितों की पूर्ति हेतु स्वेज नहर का अधिनायक शोषण करने का प्रयास किया गया और मिस्र शासक द्वारा विरोध किए जाने के क्रम में उन्होंने मिस्र शासक को गद्दी से हटा दिया।

मिस्र सामाजिक-आर्थिक शोषण के रूप में ही सम्पूर्ण मिस्र वासी अपने राष्ट्र की सम्प्रभुता के

- ऋण लिए जाने के कारण को स्पष्ट करें। — गलत तथ्य प्रयोग करें — घटनाओं को उनके कालक्रम में व्यवस्थित करें — सुधार करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लिए उद्वेलित हो रहे थे और 1914 के प्रथम विश्व युद्ध में सहायता लेने के लालच में मित्र राष्ट्रों द्वारा मिस्र को आश्वासन दिया गया।

परन्तु युद्धोपरान्त लन्दन सम्मेलन में मिस्र मांग की अवहेलना की गयी व शोषण जारी रखा गया जिससे मिस्र राष्ट्रवाद और भी ज्यादा उग्र हो गया।

Good

पुनः द्वितीय विश्व युद्ध के समय ब्रिटेन ने अपने वादों की अवहेलना की और मिस्र शासन ने स्वेज-नहर को सम्प्रभु घोषित करते हुए स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया।

वैश्विक दबाव व संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूरोपीय शक्तियों पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के भय से ब्रिटेन ने अपने हाथ पीछे खींच लिए और पुनः एक बार राष्ट्रवाद की विजय हुयी।

— उत्तर में थोड़ा और सुधार का प्रयास करें

2.25

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	1	1	0.25	0	0	✓
Grade	D	C	C	C	D	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि वर्तमान में भी यूरोपीय संघ अपने अंतिम उद्देश्य, राजनीतिक एकीकरण को प्राप्त नहीं कर पाया है?

Do you agree with the view that the European Union (EU) has not achieved its ultimate objective, Political integration even today?

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

0.5

20वीं सदी में यूरोपीय अर्थव्यवस्था, वित्तीय समस्याओं के समाधान के रूप में महत्वाकांक्षी यूरोपीय संघ की स्थापना की गयी। परन्तु आज 21वीं सदी में यूरोपीय संघ को असफल करार दिया जा रहा है जिसके पीछे निम्न तर्क हैं →

— भूमिका में सुधार

प्रश्न की मांग से भिन्न।

- यूरोपीय संघ का उद्देश्य समान संविधान, समान मुद्रा, ध्वज व बाजार की स्थापना करना था तथापि ब्रिटेन जैसे देशों ने इसे मानने से इन्कार कर दिया।

— तथ्यों में स्पष्टता / प्रस्तुतीकरण में लाएं

- यूरो मुद्रा में मात्र 20 देशों ने ही अपनी सहमति व्यक्त की।

— सकारात्मक विकास के रूप में लिखें

- वर्तमान में ब्रिटेन ने संघ से अस्तित्व वापस लिया और ब्रेग्जिट की चलन से स्विट्जरलैण्ड जैसे देशों में भी वापसी मांग उल्लेखित हो उठी।

— वाक्य सरल दें।

- यूरोपीय संघ में शरणार्थी मुद्दा का स्वीकृत हल ने

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

निकाय पाना, ग्रीस समस्या का और विकट होना आदि स्पष्ट करते हैं कि राजनैतिक एकीकरण सम्भव नहीं हो सका है।

उपरोक्त तर्कों के बावजूद पूर्णतः ऐसा नहीं कहा जा सकता कि यूरोपीय संघ राजनीतिक एकीकरण को प्राप्त नहीं कर सका है क्योंकि →

- अभी भी जर्मनी, फ्रांस जैसे अनेक देश घनिष्ठ संबंधों के पक्षधर हैं और असमान ~~आर्थिक स्थिति~~, जातिगत, धार्मिक विविधता के ~~बावजूद~~ सैकड़ों देशों द्वारा स्वीकृत संघ की प्रस्तुति अपने आप में अद्भुत है।

आगे की राह →

~~यूरोपीय~~ ~~राष्ट्रीयता~~ ~~संरक्षणवाद~~ व भारत जैसे देश ~~से~~ मुक्त व्यापार समझौता आदि के माध्यम से यूरोपीय संघ को पुनः ताकतवर व एकीकृत बनाया जा सकता है।

प्रश्न की मांग के अनुसार स्पष्ट करें? प्रश्न से साम्य

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0.5	0	0	0	✓
Grade	D		D	D	D	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि ग्लासनोस्त और पेरेस्त्रोइका की नीति पुरानी गलतियों का परिमार्जन तथा समाजवाद को मानवीय मूल्यों का जामा पहनाने का प्रयास था?

Do you agree with this view that the policy of Glasnost and Perestroika was an attempt to scrape out the old mistakes and to give more humanistic approach to socialism?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Ans मिखाइल गोर्बाच्योव द्वारा सोवियत की समस्याओं के समाधान हेतु ग्लासनोस्त व पेरेस्त्रोइका की नीति प्रस्तुत की गयी जो पुरानी गलतियों को सुधारने का समाजवादी प्रयास प्रस्तुत कर रही थी।

ग्लासनोस्त

इससे तात्पर्य है 'खुलापन' अर्थात एक जार, एक धर्म, एक रूस की निरंकुशवादी नीति से पीछे हटते हुए अब अपने धर्म, परंपरा, मूल्यों के पालन की छूट दी गयी इसके तहत बंदियों को रिहा किया गया। पश्चिमी पूंजीवादी तत्वों पर लगायी गयी रुकावट को समाप्त किया गया

इसका उद्देश्य गरीबी, बेरोजगारी व कुण्ठा की भावना में जी रहे पूर्वी यूरोप के देशों को आजादी प्रदान करना था।

— अस्पष्ट प्रयास

— उक्त नीतियों के पूर्व की स्थिति की एक संक्षिप्त चर्चा करें

— बहुत ही अस्पष्ट विश्लेषण है

पेरेस्त्रोइका के अंतर्गत चर्चा करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

पेरेस्त्रोइका →

मार्जिन का ध्यान रखें।

• इससे तात्पर्य है 'पुनर्गठन'। वस्तुतः सोवियत की मन्द पड़ती, बेरोजगारी से ग्रसित अर्थव्यवस्था का अब पुनर्गठित करने का प्रयास किया गया।

समाजवाद को मानवीयता वाले रूप देते हुए स्पष्ट किया गया कि तरीका कोई भी हो उससे समाज का कल्याण होना चाहिए और विकास हेतु पूंजीवादी तत्वों को भी प्रवेश प्रदान किया गया।

नकारात्मक पक्ष →

वस्तुतः यह सपाल आशावादी थे परन्तु इससे पूर्वी यूरोपीय देशों में आजादी की चिंगारी भड़क उठी। कट्टर साम्यवादी गोर्बाचेव शासन के विरोधी हो गए, जिसकी परिणति सोवियत रूस विघटन के रूप में सामने आए।

कहा जा सकता है ग्लासनोस्त व पेरेस्त्रोइका की नीति महत्वाकांक्षी तो था परन्तु तत्कालीन समाज इसे बर्दाश्त करने की अवस्था में नहीं था।

0.75

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	0	0.5	0	0	0	✓
Grade	B		D	D	D	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(e) भूमंडलीकरण का तीसरी दुनिया के देशों पर प्रभावों का संक्षिप्त विश्लेषण प्रस्तुत कीजिये।
Give a brief analysis of the effects of globalization on third world countries.

Ans → तीसरी दुनिया के देशों से तात्पर्य है → वे देश जो साम्राज्यवादी व औपनिवेशिक लालसा का शिकार हुए रहे और आर्थिक सामाजिक विकास के क्रम में बहुत ही पीछे छूट गए।

भूमंडलीकरण का इन पर सकारात्मक व नकारात्मक दोनों प्रकार से प्रभाव देखा जा सकता है ⇒

सकारात्मक प्रभाव ⇒

- ये देश अपने अधिकारों के लिए जागरूक हुए और अपनी मांगों की पूर्ति के लिए G-15, G-20, G-4, G-77, ब्रिक्स, इब्सा जैसे महत्वपूर्ण संगठन बनाए।
- S-S संवाद, S-N संवाद आदि के माध्यम से आज ये देश अपनी मांगों को संगठित रूप से विकसित देशों के समक्ष रखते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक जैसी संस्थाओं की मदद से साइबेरी, डंपिंग, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं

भूमंडलीकरण का अर्थ स्पष्ट करें

पुनः पढ़ें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

को उठाते हैं और कॉमन पर डिफरेंशियल रिस्पोन्सिबिलिटी (CBDR) सिद्धांत पर जोर दे रहे हैं।

- मुक्त व्यापार समझौता आदि के माध्यम से पूंजी व तकनीकि प्राप्त कर रहे हैं।

नकारात्मक प्रभाव->

- साम्राज्यवाद की जगह अब नवसाम्राज्यवाद ले ली है। अब तलवार की जगह सांस्कृतिक श्रेष्ठता, आर्थिक दबाव आदि के तहत देशों पर दबाव बनाया जा रहा है।

- संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक जैसी वैश्विक संस्थाओं में अब प्रतिनिधित्व की कमी है और इन संस्थाओं पर अमेरिका जैसे देशों का एकाधिकार प्रतीत होता है।

- जब तक अमेरिका का सामान एशिया में बिक रहा था, वैश्वीकरण अच्छा था पर आज जैसे ही एशिया हावी होने लगा विकसित देशों ने संरक्षणवादी रुख अपना लिया।

वस्तुतः भूमण्डलीकरण के सकारात्मक व नकारात्मक दोनों प्रकार के प्रभाव देखे गए।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0.5	0	0	0	
Grade	D		D	D	D	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. (a) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि वियना कॉन्ग्रेस ने यूरोप का जो पुनर्निर्माण किया, उसमें राष्ट्रीयता एवं उदारवाद की भावनाओं की सर्वत्र उपेक्षा की गई? 15

Do you agree with this view that the Europe which was reconstructed by Vienna congress, in that the feelings of nationalism and liberalism were ignored everywhere? 15

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

0.5

पुनः पढ़ें

Ans → फ्रांसीसी क्रान्ति व नेपोलियन की महाद्वीपीय व्यवस्था ने संपूर्ण यूरोप में 'समानता स्वतन्त्रता व बन्धुत्व' की चिंगारी जला दी और इसी के प्रतिउत्तर में वियना व्यवस्था का सूत्रपात हुआ।

वस्तुतः वियना व्यवस्था के प्रति प्रतिक्रियावादी स्वरूप की अभिपुष्टि उसके प्रावधानों के तहत की जा सकती है ⇒

① शक्ति सन्तुलन का सिद्धान्त → इसके तहत प्रयास किया गया कि कोई भी राज्य फ्रांस जैसा शक्तिशाली न हो सके और इसी के तहत पोलैण्ड जैसा स्वतन्त्रता प्रेमी क्षेत्र रूस के अधीनस्थ कर दिया गया। इसके साथ ही लोम्बार्डी व वेनेशिया का क्षेत्र आस्ट्रिया को दे दिया गया।

राष्ट्रवाद और उदारवाद की भावनाओं को राष्ट्रों के बंटवारे व राजवंशों की स्थापना के माध्यम से कुचला गया

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(2) दण्ड व पुरस्कार की नीति > इसके तहत राष्ट्रवाद की आग में स्वीकृत फ्रांस के कई क्षेत्रों को छीन लिया गया और स्पेन में बूर्बों वंश का शासन स्थापित कर दिया गया व इटली में पोप की सत्ता स्थापित की गयी।

– प्रश्न की माँग चर्चा

(3) अधीनस्थता का सिद्धान्त > इस व्यवस्था के तहत फिनलैण्ड जैसे राज्य को बेल्जियम को सौंप दिया गया।

– गलत तथ्यों का प्रयोग न करें

राष्ट्रीय व उदारवादी भावनाओं की उपेक्षा >

- पोलैण्ड को रूस को सौंपा जाना बिल्कुल अतार्किक व अनैतिक था. यह स्पष्टतः पोलैण्डवासियों की स्वायत्तता पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा था।

– दोहराव न करें

- स्पेन में उपजे राष्ट्रवाद ने नेपोलियन की सेना को पराजित कर दिया था, अब पुनः बूर्बों वंश की स्थापना अतार्किक व अस्थायी सिद्ध हो रही थी।

– अनावश्यक चर्चा

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

जहां एक ओर यूरोप में राष्ट्रवादी तत्व लहर पकड़ रहे थे वहीं दूसरी ओर मेटरनिक द्वारा प्रतिक्रियावादी विचारधारा के आड़ में यूरोपीय मानचित्र को अपने अनुसार पुनर्व्यवस्थित किया जा रहा था। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि राष्ट्रवाद में असीम बल होता है जिसे न तो मेटरनिक की तलवार काट सकती है न ही प्रतिक्रियावाद की दीवार रोक सकती है।

और इस तथ्य की अभिपुष्टि मेटरनिक विएना व्यवस्था के ध्वंस से होती है। मेटरनिक की वियना व्यवस्था एक भव्य फर्नीचर के समान सिद्ध हुयी जो दिखने में तो विशाल था परन्तु उसकी सम्पूर्ण लकड़ियां दीमक द्वारा खोखली की जा चुकी थीं।

- उत्तर में क्रमबद्धता का पूर्णतः अभाव है।
- सम्पूर्ण उत्तर प्रश्न की मांग से भिन्न है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0.5	0	0	0	✓
Grade	D		D	D	D	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि म्यूनिख समझौते ने उस व्यवस्था को पूर्णतः नष्ट कर दिया, जिसे वर्साय की संधि ने स्थापित किया था? 15

Do you agree with this view that the Munikh agreement destroyed that system completely which was established by Treaty of versailles? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वर्साय की संधि प्रथम विश्वयुद्ध में विजित फ्रांस द्वारा जर्मनी पर थोपी गयी थी, इसके तहत जर्मनी को राजनैतिक, आर्थिक, समाजिक रूप से अपमानित किया गया था।

पुनः पढ़ें

वस्तुतः म्यूनिख समझौते के तहत ब्रिटेन की संधि द्वारा जर्मनी को तुष्टिकृत करने का प्रयास किया जा रहा था। ब्रिटेन जर्मनी को साम्यवाद के समक्ष (बाड़) के रूप में प्रयोग करना चाहता था और दूसरी ओर हिटलर सर्वजर्मनवादी नीति के तहत साम्राज्यवाद करना चाहता था।

वर्साय की संधि द्वारा स्थापित व्यवस्था की संक्षिप्त चर्चा करें।

Good

जर्मनी ब्रिटेन द्वारा चेकस्लोवाकिया में स्थित जर्मन बहुलवादी क्षेत्र सुडेनलैंड की मांग की गयी और ब्रिटेन, फ्रांस ने म्यूनिख समझौते के तहत अतार्किक व अनैतिक होने के बावजूद सुडेनलैंड जर्मनी को सौंप

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दिया गया।

वर्साय की संधि का अन्त ⇒ वस्तुतः इस तुष्टिकरण नीति ने वर्साय संधि को ही ध्वस्त

म्यूनिख समझौता ने किस प्रकार की घटनाओं को दिया क्योंकि अहम दिया?

⇒ वर्साय संधि से जर्मनी की शक्ति कम कर उसे अपमानित किया गया था, ताकि वह पुनः युद्ध करने की स्थिति में न आ सके, जबकि म्यूनिख समझौते के तहत जर्मनी को और अधिक महत्वाकांक्षी बना दिया गया।

बहुत ही सतही और अक्रमबद्ध विश्लेषण है।

⇒ वर्साय की संधि ने यूरोपीय राजनीति में शक्ति संतुलन की स्थापना की थी, जबकि जर्मनी की बढ़ती महत्वाकांक्षा व सुडेटे. पोलैण्ड की मांग ने यूरोप में पुनः शक्ति असंतुलन स्थापित कर दिया

⇒ जहां एक ओर वर्साय की संधि प्रथम युद्ध के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

परिणामस्वरूप की गयी वहीं इसी ओर म्यूनिख समझौता द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बना।

इस प्रकार स्पष्टतः कहा जा सकता है म्यूनिख समझौते ने वर्साय संधि को ध्वस्त कर दिया

उत्तर में सुधार करें तथा पूरा उत्तर लेखन का प्रयास करें।

3.75

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	1.5	1.5	0.5	0.25	0	✓
Grade	D	C	C	B	B	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) "उन्नीसवीं शताब्दी जहाँ स्वेच्छाचारी एकतंत्र के विरोध का समय था, वहीं बीसवीं शताब्दी स्वछंद राजनीतिक विचरण का काल था। जब कभी इसे अवरुद्ध किया गया तो इसने क्रान्ति को जन्म दिया।" स्पष्टीकरण कीजिये। 20

"In the nineteenth century, where there was a time to oppose arbitrary autocracy, the twentieth century was a period of absolute political wondering. Whenever it was blocked, it gave rise to the revolution." Elucidate. 20

भूमिका > उन्नीसवीं व बीसवीं शताब्दी दो विलक्षण घटनाओं को अभिव्यक्त करती है। जहां एक ओर उन्नीसवीं शताब्दी 'समानता स्वतंत्रता बन्धुत्व' के आगोश में झूम रही थी वहीं दूसरी ओर बीसवीं शताब्दी विचारधाराओं के आधार पर अपना अस्तित्व निर्मित कर रही थी।

[भूमिका — और अस्पष्ट]

उन्नीसवीं शताब्दी (स्वेच्छाचारी एकतंत्र का विरोध) → उपरोक्त तथ्य को [illegible] काल में घटित घटनाओं के माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता है →

[उन्नीसवीं सदी के यूरोप में कुलीन वर्ग के राजतंत्र एवं सम्पन्न बुर्जुआ वर्ग की टकराहट की चर्चा करें। टकराहटों को स्पष्ट करें]

- फ्रांस में राजा चार्ल्स दशम व विलियम की स्वेच्छाचारी के विरुद्ध 1830 व 1848 की फ्रांसीसी क्रांति ने जन्म लिया।

- [illegible] स्पेन में बूर्बो वंश के अधिनायकवाद को

[यूरोपीय देशों में होने वाली क्रांतियों की चर्चा कारण सहित संक्षेप में करें]

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

जनता चुनौती प्रदान कर रही थी।

मेटरनिक की विधानावस्था के स्थान स्वतंत्र, अधिनायकवादी प्रतिक्रियावादी सिद्धांतों को राष्ट्रवाद चुनौती प्रदान कर रहा था

सुधार करें

मिस्र में ब्रिटेन व फ्रांस के अधिनायकवाद ने मिस्रराष्ट्रवाद को जन्म दिया और सिद्ध कर दिया स्वतंत्र, अधिनायवादी स्वेच्छाचारी शोषण अल्पकालिक होता है।

प्रश्न की मांग से भिन्न

आगे सेडोव व सेडान के युद्ध ने इटली व जर्मनी के एकीकरण से स्वतंत्र का विरोध किया, इससे भौगोलिक अभिव्यक्ति कहलाने वाले प्रदेश अब एकरूपीय होना क्षेत्रीय स्वायत्तता की नींव रखने लगे थे।

प्रश्न की मांग से

मेटरनिक की पुलिस व्यवस्था का अन्त हो रहा था। इसी शताब्दी में बाल्कन समस्या को स्वतंत्रता की चाहत स्वतन्त्र को पराजित कर रही थी।

बीसवीं सदी का स्वच्छंद राजनीतिक विचारण →

बीसवीं सदी में शोषण, अधिनायक वाद के विरुद्ध साम्यवादी विचारधारा पनप रही थी और रूस साम्यवादी

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विचारधारा का प्रभाव रूस, चीन, वियतनाम, कोरिया, क्यूबा, भारत, अफ्रीका जैसे देशों तक विस्तृत हो रहा था।

- रूस में जार के अधिनायकवाद के प्रतिउत्तर में 1917 की रूसी क्रांति हुयी, वहीं दूसरी ओर चीन में साम्यवादी विचारधारा के प्रणेता माओ के नेतृत्व में चीनी क्रांति सम्पन्न हुयी।

- प्रश्न की मांग से भिन्न

भारत जैसे देश भी इससे अछूते नहीं रहे, स्वतन्त्रता व सम्प्रभुता प्राप्त करने की स्वराजवादी राजनैतिक विचारधारा और हमारा स्वतन्त्रता संग्राम आन्दोलन अपने परिणामों में किसी क्रांति से भी बढ़ना प्रतीत हो रहा था। इसका प्रभाव अफ्रीका व पूर्वी एशियाई देशों तक परिलक्षित होता है।

इस प्रकार प्रस्तुत कथन का स्पष्टीकरण होता है।

0.5

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0.5	0	0	0	X
Grade	D		D	D	D	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

8. (a) "यूरोपीय समुदाय की स्थापना यूरोपीय समस्याओं को यूरोपीय दृष्टिकोण से हल करने के लिये की गई थी, न कि राष्ट्रीय दृष्टिकोण से।" टिप्पणी करें। 15

"The European community was established to solve Europe's problem with the European perspective, not from the national point of view." Comment. 15

0

Ans> वस्तुतः प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध, पूंजीवादी समाजवादी विचारधारा का द्वन्द्व, मार्शल प्लान व रूसी कार्ययोजना का अभाव यूरोपीय भूमि थी। इन अशान्तताओं के कारण यूरोपीय राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति दुर्लभ हो चुकी थीं और इसे सन्तुलन प्रदान करने हेतु यूरोपीय समुदाय की स्थापना की गयी

– पुनः पढ़ें तथा यूरोपीय समुदाय के गठन को स्पष्ट रूप से बताएं

यूरोपीय समस्याओं को हल करने का दृष्टिकोण→

– पुनः पढ़ें

इस व्यवस्था के तहत समान ध्वज, समान संविधान, ~~एकीकृत~~ एकीकृत बाजार की संकल्पना की गयी, जिसके तहत पूर्वी व पश्चिमी यूरोप का एकीकरण किया जा सके।

- इसी व्यवस्था के तहत बर्लिन की दीवार गिरा दी गयी

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

और यूरोपीय आर्थिक सुदृढ़ीकरण का प्रयास किया गया।

वस्तुतः यूरोपीय समुदाय के माध्यम से यूरोप का लक्ष्य पूंजीवादी व साम्यवादी विचारधारा के चंगुल से बाहर आना व स्वतंत्र अस्तित्व कायम करना था।

- इसके परिणाम को देखें तो शीघ्र ही मन्द पड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने तेजी से विकास किया। इससे इस बात पुष्टि होती है कि तत्कालीन समस्याओं को हल करने हेतु गठित यूरोपीय समुदाय अपने लक्ष्य में काफी सफल हुआ।

यद्यपि कुछ आलोचक कहते हैं कि इसका गठन मात्र आर्थिक सामाजिक दृष्टिकोण से किया गया था, इसमें कोई राजनीतिक के तत्व सम्मिलित नहीं थे क्योंकि →

- स्थापना क्रम में पूर्वी व पश्चिम यूरोप में व्याप्त आर्थिक असमानता का विस्तार राजनीति तक था, पूर्वी यूरोप को हीन समझा जाता था व अपेक्षित समानस्तर का मंच प्राप्त नहीं थी।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- स्थापना के इतने वर्ष बाद भी मात्र 20 देश यूरोपीय मुद्रा अपना सके और ब्रिटेन जैसे देश बाहर हो रहे हैं, स्विट्ज़रलैण्ड भी ऐसी मांग कर रहा है।
- परस्पर आज भी शरणार्थी, जलवायु, आतंकवाद जैसे तत्वों में ये देश एक मत नहीं हो सके हैं।

वस्तुत: निम्न तर्कों के आधार पर इसे नकारा जा सकता है →

यूरोपीय समुदाय का चरम रूप ही यूरोपीय संघ के रूप में सामने आया जिसमें दशकों बाद स्वेच्छा से सम्मिलित हुए समाज के समुदाय के तहत पूर्वी व पश्चिमी यूरोप का एकीकरण किया गया और एक राष्ट्र, एक ध्वज, एक संविधान का विचार प्रस्तुत किया गया।

इन तर्कों के आधार पर प्रश्न से सहमत नहीं हुआ जा सकता। यूरोपीय समुदाय की स्थापना क्रम में ही राष्ट्रीय दृष्टिकोण व्याप्त था।

प्रश्न की मांग के अनुरूप उत्तर लिखने का प्रयास करें।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0	0	0	0	X
Grade	D			D	D	D	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "यद्यपि सोवियत समाजवाद ने पीड़ित मानवता को राहत दिलाई, दिशा दी और स्वप्न साकार करने की लालसा जगाई परन्तु यह इन्हें स्थायित्व नहीं प्रदान कर पाया।" स्पष्टीकरण कीजिये। 20

"Although, Soviet socialism gave relief to the oppressed humanity, give a direction and a desire to fulfill the dreams, but it did not provide them stability." Elucidate. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Ans सोवियत समाजवाद के परिप्रेक्ष्य में द्वन्द्वात्मक परिस्थिति उत्पन्न हुई है जिन समाजवादी व्यवस्था की मांग कर रहे पीड़ित श्रमिकों पर ... गठन हुआ इन्हीं ... विनाश में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

- आशय
- सोवियत समाजवाद की पृष्ठभूमि को स्पष्ट करें
- भूमिका लिखें

सोवियत समाजवाद की उत्पत्ति → वस्तुतः जार की निरंकुशवादिता, ... पड़ी आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी, गरीबी, भुखमरी से पीड़ित रूस को समाजवादी ... आशावादी किरण प्रस्तुत कर रही ... तहत यह विचार प्रस्तुत किया गया कि किसी भी मनुष्य को दूसरे का शोषण करने का अधिकार नहीं है।

- लेनिन द्वारा स्थापित समाजवाद और उनके कार्यों की ... में चर्चा करें।

समाजवादी व्यवस्था के तहत सत्ता पर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

श्रमिक वर्ग की तानाशाही की संकल्पना प्रस्तुत की गयी 'कम्यूनिस्ट मेनिफेस्टो' का शिर्षक इसे और उद्धरित कर रहा था।

इस व्यवस्था के तहत अमीरों की सम्पत्ति छीनकर गरीबों में बांट देना ही संकल्प था और क्षमता के अनुसार काम व आवश्यकता के अनुसार श्रमजाड़ी के आधार पर आर्थिक विभाग किया जाना था।

यह आकर्षक विचार सम्पूर्ण पीड़ित मानव समुदाय को आकर्षित कर रहे थे।

सोवियत समाजवाद का अन्त ⇒

वस्तुतः सोवियत संकल्पना असफल सिद्ध हुयी क्योंकि अपने उद्देश्यों को वास्तविक धरातल पर नहीं उतार सका। सोवियत शासकों द्वारा कट्टरवादी साम्य व्यवस्था का पालन किया गया और अपनी सारी क्षमता पूंजीवाद को रोकने में लगायी गयी।

बहुत ही सतही विश्लेषण हुई है

सिद्धांत और व्यवहार की चर्चा करें

लेनिन के बाद आर्थिक, राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर अस्थायित्व बदलावों के परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

लगातार हो रहे शस्त्र निर्माण, परमाणु परीक्षणों से समाजवादी चिंतन पीछे छूट रहा था। इसके साथ ही राज्य में इतनी क्षमता नहीं थी कि अकेले अपने दम पर सम्पूर्ण देश का विकास कर सके।

परिणामस्वरूप जनता गरीबी, बेरोजगारी, भूखमरी, अभाव व आत्महत्या का शिकार होने लगी साइबेरिया के कोयले की खानों में साबुन पर हड़ताल ~~करके देखने~~ को मिली।

प्रश्न की माँग के अनुरूप उत्तर लिखने का प्रयास करें।

और कालान्तर में सोवियत रूस के अंत ने इसकी व्यवहारिक पुष्टि कर दी। यद्यपि तात्कालिक रूप से यह सफल नहीं हो सका परन्तु विश्व के अन्य देशों में कहीं न कहीं साम्यवादी प्रभाव देखने को मिला, यहाँ तक कि पूँजीवाद को भी कल्याणकारी चोला पहनना पड़ा।

1.5

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0.5	0.5	0.5	0	0	✓
Grade	D	D	D	B	D	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(c) प्रथम विश्वयुद्धोत्तर काल में पार्थक्यवाद का अवलंबन करते हुए भी संयुक्त राज्य अमेरिका पूरी तरह से विश्व राजनीति से अलग नहीं रह सका। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? 15

In the first post world war period, while resorting to separatism, the united states of America could not completely stayed away from the world politics. Do you agree with this view? 15

Ans. प्रथम विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने दुखी क्षति व हानि के बाद पार्थक्यवाद की नीति अपनाई।

वस्तुतः यह सिद्धान्तवादी नीति व्यवहारिकता पर सफल नहीं हो सकी क्योंकि →

- अमेरिका की आर्थिक व्यवस्था का जुड़ाव सम्पूर्ण यूरोप व एशिया की अर्थव्यवस्था से था। न चाहते हुए भी यूरोप व एशिया में हो रही राजनैतिक उथल-पुथल अमेरिका को आकर्षित व विवश कर रही थीं।

- परिणामतः म्यूनिख समझौते के बाद जर्मनी की महत्वाकांक्षा ने सम्पूर्ण विश्व को दो खेमों में बांट दिया और अस्तित्व रखने हेतु आवश्यक हो गया कि अब बड़ी शक्तियां एक मोर्चा अपना लें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

- आगे जापान द्वारा अमेरिकी पनडुब्बी पर आक्रमण ने अमेरिका जैसे सोये हुए शेर को छेड़ दिया और मेक्सिको को अमेरिका के खिलाफ भड़काने का प्रयास किया जाना ही महत्वपूर्ण कारण बना अमेरिका के विश्व युद्ध में कूदने का।

(जापान की विस्तारवादी नीति — परिणाम)

- द्वितीय विश्व युद्ध की बात राजनीतिक जीत तक सीमित नहीं रह गयी थी अपितु पूंजीवादी बनाम साम्यवादी विचारधारा की हो गयी थी, अब अमेरिका के लिए अपरिहार्य हो गया कि वह सोवियत रूस के विस्तार पर अंकुश लगाकर अपना प्रभुत्व स्थायी रखे।

(अमेरिका विभिन्न सम्मेलनों एवं संस्थाओं के माध्यम से पुनः सक्रिय)

- वस्तुतः उपरोक्त घटनाएं दलदल की तरह साबित हुयी, जिसमें अमेरिका वैश्विक राजनीति में उलझता ही चला गया। और शीत युद्ध से हार जाने के बावजूद अमेरिका पीछे नहीं हटा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

क्योंकि अब बात पैक्स अमेरिका अर्थात एकध्रुवीयता की थी।

और इसी क्रम में वर्तमान 21वीं सदी में भी पाइवट टू एशिया, संरक्षणवादी नीति आदि के तहत अमेरिका संपूर्ण विश्व को प्रभावित कर रहा है।

—विषय के संबंध में जानकारी के अभाव में उत्तर देने का प्रयास न करें।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0	0	0	0	0	0	X
Grade	D			D	D	D	

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation